बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.- 2018 बैच के छात्रों के सफलतापूर्व पास आउट होने पर ”पशु चिकित्सक शपथ”

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में 2018 के बैच के पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन स्नातक (बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.) के छात्रों के सफलतापूर्व पास आउट होने पर ”पशु चिकित्सक शपथ” दिलायी गयी। इस अवसर पर निदेशक महोदय द्वारा छात्रों प्रोवीजन डिग्री भी प्रदान की गयी। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डा. त्रिवेणी दत्त ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि हमारे संस्थान से आज बीवीएससी का तृतीय बैच सफलतापूर्वक पास आउट हुआ है। उन्होंने कहा कि संस्थान में बीवीएससी के प्रथम बैच वर्ष 2015 में प्रवेश लिया था उस समय हमारे पास सीमित संसाधन थे परन्तु हमारे पूर्व निदेशकों और संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों और वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधन में भी छात्रों को शिक्षित करने का जोर कार्य किया है वह सराहनीय है। उन्होंने यू.जी. शिक्षण को छात्रों के भविष्य तय करने का तरीका बताया। डा. दत्त ने ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए अच्छे सम्बन्ध और सहयोग बनाने के साथ नई शिक्षा नीति को अपनाने पर भी जोर दिया।

टार्पर छात्र

1. तान्या चौघरी
2. रेनु मोटवानी
3. लवीना सम्भावनी

संस्थान के संयुक्त निदेशक शैक्षणिक डा. एस.के. मेंदीरत्ता ने कहा कि आज आईवीआरआई देश को 20 योग्य पशुचिकित्सक दे रहा है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा क्षेत्र में अपार संभावनायें है इसके लिए आपको कठोर मेहनत करनी होगी। उन्होंने छात्रों के सफलतापूर्वक पास आउट होने पर सभी अध्यक्षों तथा सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर सम विश्वविद्यालयलय के परीक्षा नियंत्रक एवं शैक्षणिक समन्वयक डा. ज्ञानेन्द्र सिंह ने सभी डिग्री लेने वाले छात्रों को बधाई दी तथा देश अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन ले जाने में योगदान देने का आह्वान किया।

सम विश्वविद्यालयलय के अधोस्नातक समन्वयक डा. रजत गर्ग ने बताया कि 20 छात्रों के इस बैच ने 29 अगस्त 2018 को प्रवेश लिया जिसमें 11 लड़के तथा 09 लडकिंया देश के विभिन्न राज्यों हरियाणा, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश तथा तेंलगाना क्षेत्र से हैं। इन छात्रों ने साढ़े पांच वर्ष तक यहां अध्यन्न किया जिसमें साढ़े चार वर्ष कोर्स वर्क तथा एक साल इंटरनशिप की। इन 20 छात्रों में से 13 छात्रों ने एमवीएसी के लिए आईवीआर आई, एनडीआरआई दुवासू, जबलपुर, पश्चिमी बंगाल तथा कश्मीर में प्रवेश सुरक्षित किया है जबकि अन्य छात्रों का अच्छी कम्पनियों में प्लेसमेंट मिली है।

कार्यक्रम का संचालन डा. हिमानी धांजे द्वारा जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. यू.के. डे द्वारा दिया गया इस अवसर पर रजिस्ट्रार श्री पी.के.जैन, संयुक्त निदेशक कैडराड, डा.के.पी.सिंह, संयुक्त निदेशक शोध, डा. एस.के. सिंह तथा संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. रूपसी तिवारी सहित सम विश्व विद्यालय के संयुक्त संयोजक समन्वयक डा. अभिषेक वर्मा, डा. अरविन्द खरे सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक छात्र, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।